भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

12.12.2013 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 779

देश में दुर्लभ खनिज

779. श्री के.एन. बालगोपालः

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय के पास देश में उपलब्ध दुर्लभ खनिजों की कुल मात्रा के संबंध में राज्य-वार आंकड़ा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के उद्देश्य से दुर्लभ खनिजों के वैज्ञानिक ढंग से खनन हेतु योजनाएं रखती है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ। सितम्बर, 2013 की स्थिति के अनुसार, परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है, द्वारा पता लगाए गए विरल मृदा निक्षेपों का राज्य-वार और खनिज-वार ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(आंकड़े मिलियन मीटरी टन में)

राज्य	इल्मेनाइट+ ल्यूकॉक्सीन	रूटाइल	जर्कन	मोनाजाइट	गार्नेट	सिलीमेनाइट	कुल भारी खनिज
ओडिशा	96.44	4.47	3.25	2.41	50.87	51.74	209.18
आंध्र प्रदेश	163.05	10.25	11.94	3.72	66.00	72.29	327.25
तमिलनाडु	179.02	8.00	10.20	2.46	46.97	37.41	284.06
केरल	145.70	8.41	7.83	1.90	4.46	62.80	231.10
महाराष्ट्र	3.74	-	0.01	-	-	-	3.75
गुजरात	2.77	0.02	0.01	-	0.03	-	2.83
पश्चिमी बंगाल	2.05	0.19	0.39	1.22	-	1.65	5.50
बिहार	0.73	0.01	0.08	0.22	-	0.08	1.12
कुल	593.50	31.35	33.71	11.93	168.33	225.97	1064.79

(ख) जी, हाँ। इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, मोनाजाइट का उत्पादन करता है, जो परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के अधीन एक विहित पदार्थ है और उसका संसाधन मिश्रित विरल मृदा यौगिकों का उत्पादन करने के लिए करता है। इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड ने, मिश्रित विरल मृदा क्लोराइड का उत्पादन करने के लिए ओडिशा में, और पृथक्कृत अति विशुद्ध विरल मृदा उत्पादों का उत्पादन करने के लिए अलुवा, केरल में 10,000 टन प्रतिवर्ष क्षमता वाला एक मोनाजाइट संसाधन संयंत्र स्थापित किया है। विरल मृदा के मूल्य-वर्धित उत्पादों का उत्पादन करने के लिए इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) और इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मैटलर्जी एंड न्यू मैटीरियल्स (एआरसीआई) के बीच एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

******